

2nd sem  
PHYSICAL EDUCATION  
UNIT-III

2. Respiratory system, different organs of  
Respiratory system.

## Respiratory system

- ④ क्या तुम्हारी जानकारी what in Respiratory system  
+ अपने प्राणों की आवश्यिकता क्या है और इसके लिए क्या करते हैं?
- ⑤ क्या स्वप्न है?  
+ यह ऐसा साधारण अवस्था है कि देखा गया है।  
कृतिकृत एवं अनुकृतिकृत छोड़भोड़ रहा है।  
जूनिट अवस्था में इस लिए आवश्यक अवस्था है।
- ⑥ अपने प्राणों की आवश्यिकता क्या है?  
+ अपने प्राणों की आवश्यिकता क्या है?  
)( प्रधान अवस्थाएः:-  
- नामाकरण, नामावधि, ऊंचाई  
- वायोडाक्ष-खूबी-ग, गृहीत-प्रक्रिया, निपुणता  
)( द्वितीय अवस्थाएः:-  
- रक्तपिण्ड (Rib) वायोडाक्ष अपने प्राणों की वायोडाक्ष-प्रक्रिया - अंद्रोडाक्ष
- ⑦ अपने प्राणों की विज्ञानीय अवस्था अवस्था क्या है?  
- क्या नाम की?  
the organ of the Respiratory system,
- + मानवीय श्वसनात्मक या अपने प्राणों की विज्ञानीय अवस्था अवस्था क्या है?
  - )( नासिका (Nose)
  - )( ग्लान्स (Pharynx)
  - )( लार्ग्नेस (Larynx)
  - )( ट्राचेया (Trachea)
  - )( अंड्रोडाक्ष-वायोडाक्षी (Bronchi and bronchioles)
  - )( लंग्वों (Lungs)

### नासिका:-

वही नासिका है जो जानकारी के अनुपरी जानकारी अवश्यिक है। उपर्युक्त अवश्यिक अवस्था अवश्यिक है। अवश्यिक अवश्यिक है। अवश्यिक अवश्यिक है। अवश्यिक अवश्यिक है। अवश्यिक अवश्यिक है।

ଜ୍ଞାନ-ବିଦ୍ୟାର ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ଓ ସାମାଜିକ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟିକୁ ପ୍ରଦାନ କରିବାରେ ବିଭିନ୍ନ ଶକ୍ତିଗୁଡ଼ିକ ଆଦିବିହାର ଜ୍ଞାନ-ବିଦ୍ୟାର ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟିକୁ ପ୍ରଦାନ କରିବାକୁ ଆପଣଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଥାଏ ।

ବାନ୍ଦିରେ ।) ୧୯୯୫ ବର୍ଷର ପାଞ୍ଚମିତି ନିର୍ମାଣ କାର୍ଯ୍ୟ କରିଯାଇଛି ।

ii) ବାଦୀରେ କରୁଥିଲା ଏ ବାଚ୍ୟାତଳ ଏବଂ ପ୍ରାଚୀ କାର୍ଯ୍ୟ  
ଆମ ପ୍ରେସାର୍ଜନ ପରେ ବୀଜନ ଟିକା ଆଣ୍ଟି ନାହିଁ ।

iii) ଶୁଦ୍ଧିତ ବାଚ୍ୟାତଳ ଆମର୍ଦ୍ଦାରୀ କାଣ୍ଟର ଏବଂ ଆମ ଅନ୍ତରିକ୍ଷକାରୀତିକାରୀ କାଣ୍ଟରରେ ପରେବାକାରୀ କାଣ୍ଟରରେ ନାହିଁ ।

### ନାହିଁଲା Shorings :-

ନାହିଁଲା ବ୍ୟେକଣିକ୍ ଏବଂ ଶିଖିତିଭାବେ କାହାରେ ନାହିଁଲା  
ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା ନାହିଁଲା  
ନାହିଁଲା  
ଦିଭାସ, ବୈଶାଖ ଭିନ୍ନରେ କାହାରେ ନାହିଁଲା ଏବଂ  
ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ମୁହୂରତ ଶବ୍ଦରେ ନାହିଁଲା,  
ଶକ୍ତିଗୁଡ଼ିକ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏବଂ ଅନ୍ୟ କାହାରେ ନାହିଁଲା,  
ଶକ୍ତିଗୁଡ଼ିକ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏବଂ ଆମର୍ଦ୍ଦାରୀ କାଣ୍ଟରରେ ନାହିଁଲା ।

ବାନ୍ଦିରେ । i) ବାଚ୍ୟାତଳ ଏବଂ ବାଚ୍ୟାତଳ କାର୍ଯ୍ୟ  
ii) ପାଞ୍ଚମି ବିକାଶ ଏବଂ ବିକାଶ କାର୍ଯ୍ୟ  
iii) ଆସନ ନାଲିକାମ ଏବଂ ବାଚ୍ୟାତଳ ଏବଂ ବାଚ୍ୟାତଳ କାର୍ଯ୍ୟ ।

### ମୁହୂରତ ଲାଙ୍ଘନି : -

ମାନତ୍ତ୍ଵବିଦ୍ୟା ଏବଂ ମୁହୂରତ କାହାରେ ନାହିଁଲା କିମ୍ବା  
କାହାରେ ନାହିଁଲା କିମ୍ବା କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏବଂ ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା  
ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା,  
ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା,  
ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା,  
ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା  
ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା

ମୁହୂରତ କିମ୍ବା ମୁହୂରତ ଏବଂ ମୁହୂରତ କାହାରେ ନାହିଁଲା  
ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା, ଏକାହାଦିକରିତ କାହାରେ ନାହିଁଲା

आङ्गः

- १) अनुसूचिते आंतरिक अवास वाले, जो
- २) अधिकतमी त्रिखण्ड अनुभूति आवास वाले,
- ३) अद्वितीय वातावरण आविष्ट वाले,

अधिकारी Trachea :-

मुखी द्विल-क्लिप व्याकुल विकायी नेत्रों के सामग्री  
में प्रतिक्रिया वाले, इस व्याकुल विकायी  
आंतरिक वातावरण वाले अनुभूति वाले विकायी  
वाले, अविष्ट आंतरिक व्याकुल विकायी वाले विकायी  
अवास वाले। उचित १०-२० cm लंबाई वाले, आंतरिक  
वातावरण वाले अविष्ट वाले,

आङ्गः

- १) अविष्ट आंतरिक व्याकुल अनुभूति वाले,  
वातावरण वाले अनुभूति वाले अविष्ट वाले,
- २) अधिकारी व्याकुल विकायी वाले अविष्ट विकायी  
व्याकुल विकायी वाले अविष्ट विकायी वाले,

माध्यमिकाली - Bronchi and bronchiles :-

प्राणिनाम वाले अविष्ट व्याकुल विकायी वाले अविष्ट विकायी  
अधिकारी वाले अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी  
अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी वाले, अविष्ट विकायी वाले,  
वातावरण वाले अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी वाले,  
वातावरण वाले अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी वाले,  
वातावरण वाले अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी वाले,

आङ्गः

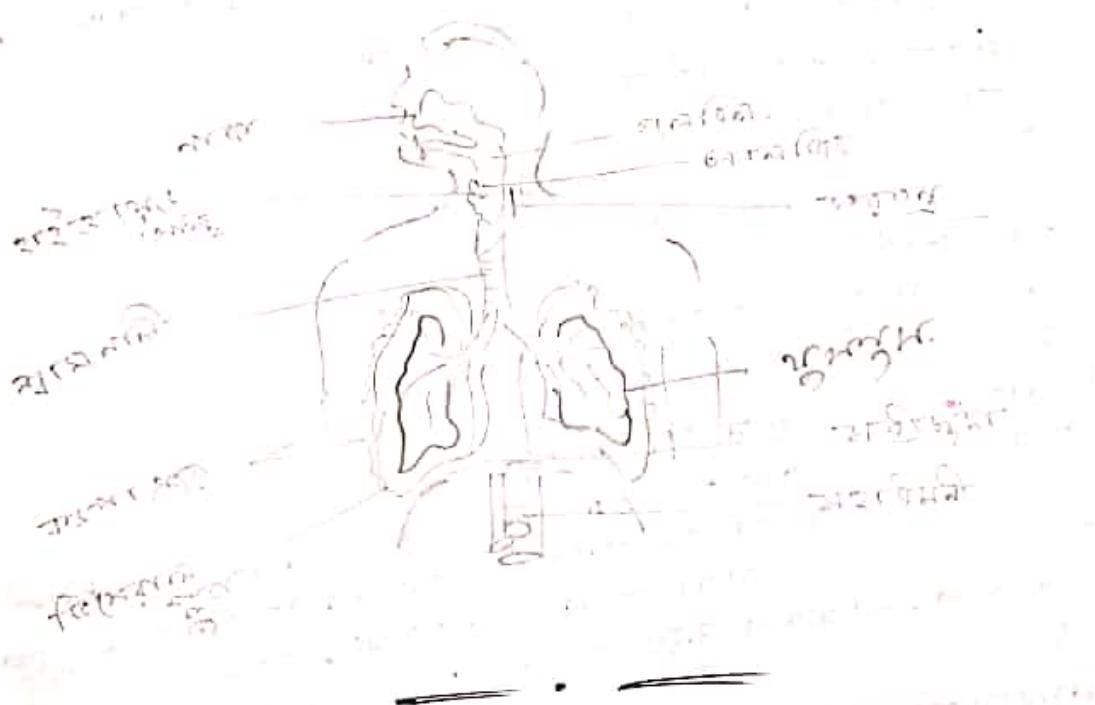
- १) अधिकारी वाले अविष्ट विकायी वाले, अविष्ट विकायी वाले
- २) श्वास अविष्ट वाले अविष्ट विकायी वाले,

कुम्हारी Lung :-

मानवीय अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी  
मानवीय विकायी वाले अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी  
वातावरण वाले अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी  
वातावरण वाले अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी  
अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी वाले अविष्ट विकायी

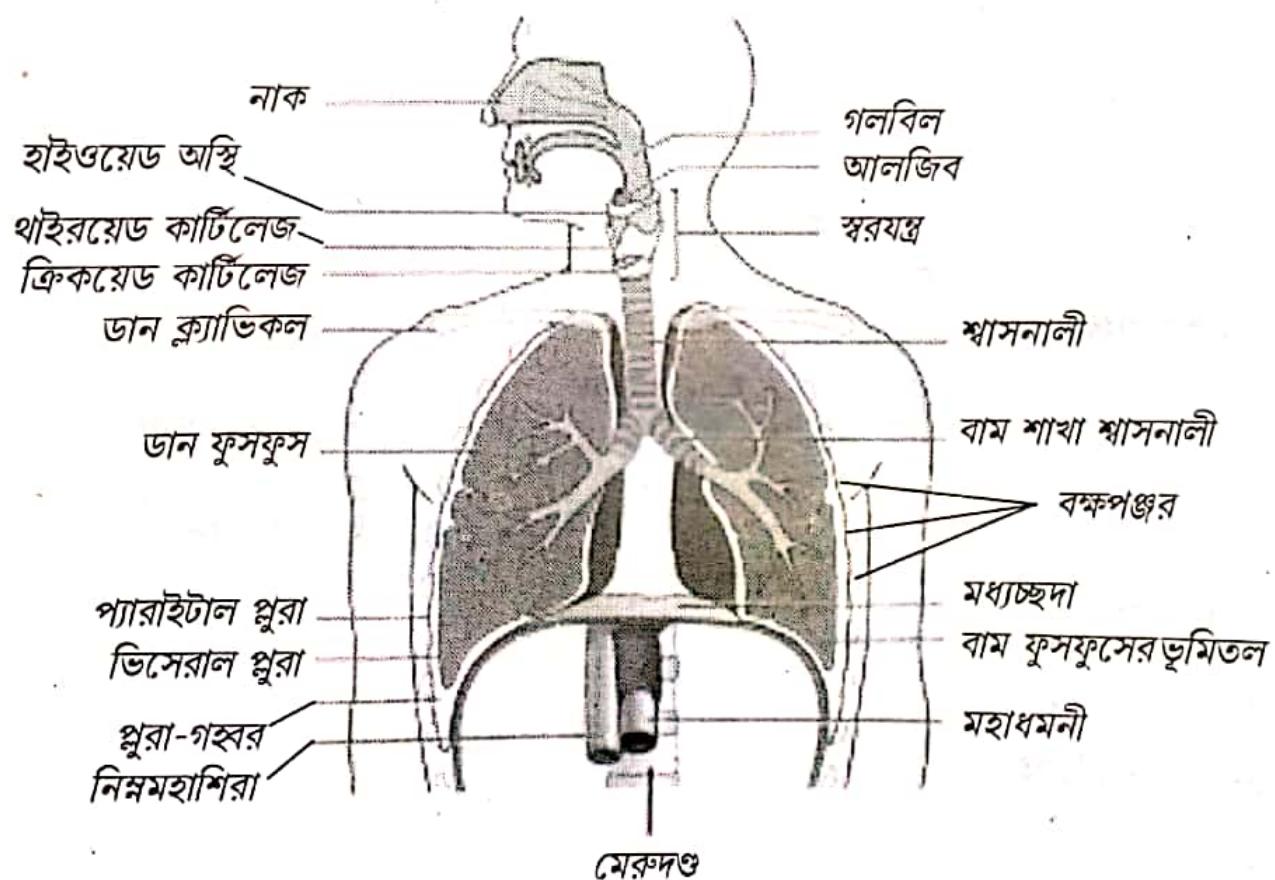
अतिरिक्त शून्यकुण्डल एवं मुखीय अन्तिम प्राणी अवलोकिते सर्वांग उत्तराधारावाले  
पर्याप्त आवश्यक शून्य बनाए। सर्वांग उत्तराधारा कुण्डलिते शून्यकुण्डल  
शून्य बनाए। शून्यकुण्डल आप्य अनुभवान् अधिष्ठेत्रपितृलक्षणं शून्यात्  
दिग्भूषणं शून्य बनाए। उचिते शून्यवृक्ष दामासान् एवं शून्य आप्य  
आप्य शून्यवृक्ष बनाए। अनुभावान् समिक्षेषेन उत्तराधारावाले  
सर्वांग उत्तराधारा अधिष्ठेत्रपितृलक्षणं शून्यात् शून्यात् शून्यात्  
शून्यात् शून्यात् रमा।

- प्राप्ति १) चिमारालक्षणं शून्य अव्याकृतिः ३२ वर्षोऽस्मिन्द्युग्मे विज्ञान  
२) चिमाराकृति वाताद्य शून्य उत्तराधारा उत्तराधारा वृक्षाद्यात्  
उत्तराधारा वाताद्य शून्य बनाए।



- कार्य  
१ शून्यकुण्डल विनिषेध शून्यात्  
२ शून्यवृक्ष विनिषेध शून्यात्  
३ अप्य विनिषेध शून्यात्  
४ अन्ति उत्तराधारा विनिषेध शून्यात्  
५ अप्य उत्तराधारा विनिषेध शून्यात्

## ❖ শ্বাসকার্যে সহায়ক পেশী (Muscles of respiration)



2nd sem

UNIT - III

### Respiratory and Blood circulatory system

1. Heart, structure and function of heart,  
Mechanism of Blood circulation.
2. Blood, and its compositions.

સુધી રોગીની વાતાવરણ કેવી રીતે જાળવામાં આવે?

બૃહાત્ત્મક આધુનિકી, એટેચી, નયારોગિક પાલનું; જો હજુ

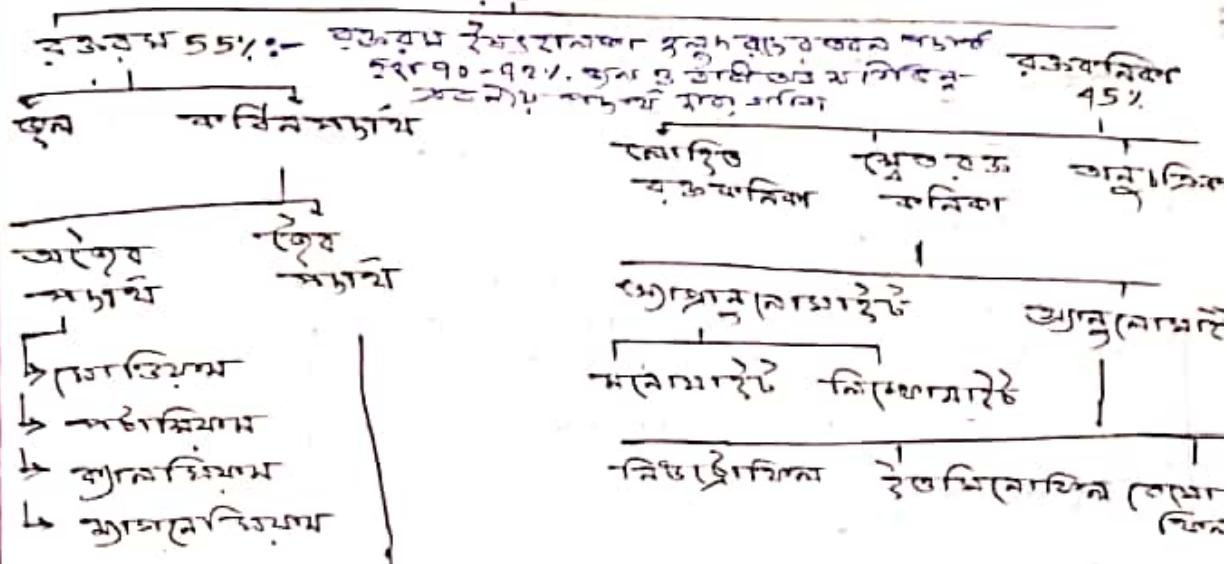
અથે આપું રોગ જોણા.

સ્વાધીન:

- i)  $O_2$  એટા  $CO_2$  પ્રવિષ્ટન કલા
- ii) એકાખેત પાયું વાતાવરણ રીતું
- iii) એટેચી કીમાતાં નિયમું પાડુા.
- iv) એટેચી જીવાં વાતાવરણ
- v) નિયારોગિક નિયમું વાયુ
- vi) બૃહાત્ત્મક ફોર્મ્યુલા

બૃહાત્ત્મક વિસ્તાર: - Blood composition

બૃહાત્ત્મક:



સ્વાધીન:

સ્વાધીન ખૂબ કાર્યક્રમ,  
સ્વાધીન રૂપાંતરણ  
સ્વાધીન - દેશભિન્નતા

દેશભિન્નતા

સ્વાધીન

સ્વાધીન

અણીએ

સ્થાનનાં

(દેશભિન્ન.

દેશભિન્ન)

સ્વાધીન વિસ્તાર: - દેશભિન્ન વિસ્તાર

સ્વાધીન વિસ્તાર: -

માનવીએ એટેચીની સાધીનત રોગીન  
સ્વાધીન રોગરાના કાર્ય, નિયારોગિક રીતું પ્રાણી  
સાધીનત રોગરાના વિસ્તાર - નિયમિતીના પાઠક ના,  
સ્વાધીન રોગરાના અણીએ રૂપી રોગરાના વિસ્તાર  
એણાનાં જાહેર પ્રાચીન રોગ જાહેર, અનુભવ  
સ્વાધીન અણીએના નિયમિતીના પાઠક ૩૮૫-૩૮૫૫  
જાહેર RBC સ્થાન, માનવાન્દું એણાં એહ સાધીનત  
સાધીન ૧૫ સાંજ ખૂબ નિયમિત, માનવાન્દું RBC એણ આ  
૧૨૦ દિન ચાંચાં.

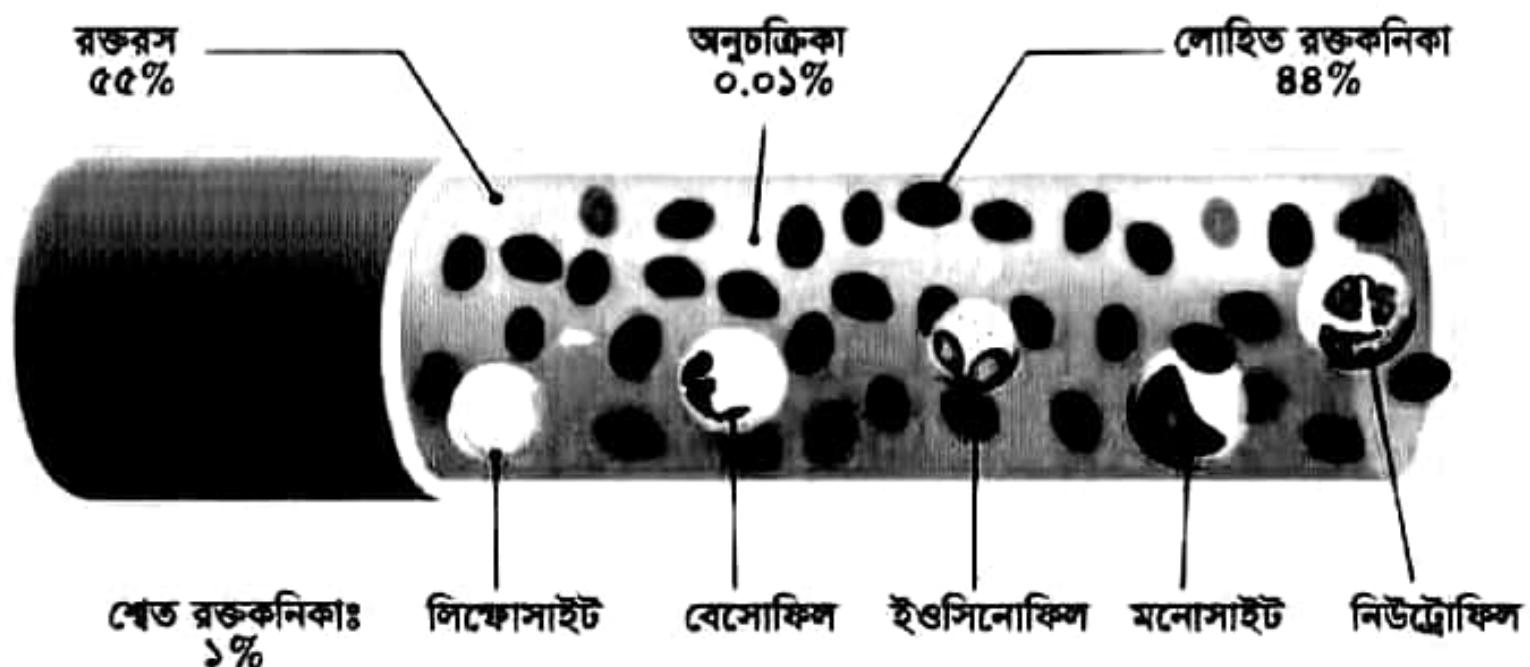
સ્વાધીન:

i)  $O_2$  એટા  $CO_2$  આધુનિક પ્રવિષ્ટન કલા

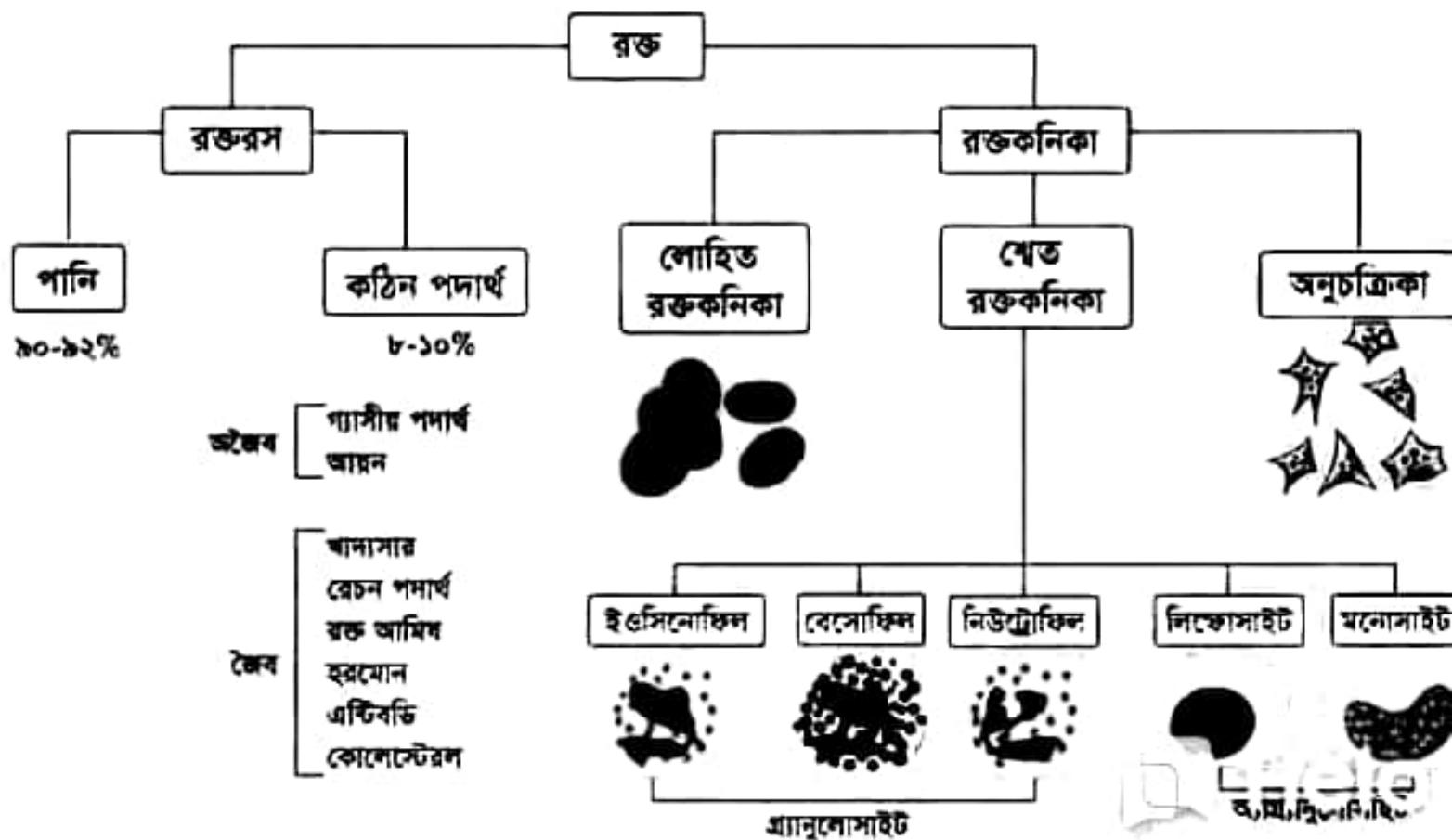
ii) એટેચીની pH માત્રા વાયુ વાયુ

iii) એટેચીની આધુનિક વાયુ વાયુ

# রক্তের উপাদানসমূহ



## gk & current affairs



स्वृत ब्रह्म कनिका :- स्वृत ब्रह्म कनिका निष्ठिग्राम अथवा जग्नी  
लाल अर्द्धवर्ष कनिका द्वारा उत्तराखण्ड भारतवर्ष, अंतिम  
मिलिनिष्ठिग्राम वर्षः अर्द्धवर्ष ५३ शूः ६००० - ४००० फुट,  
स्वृत ब्रह्म कनिका या नाम स्वृत ब्रह्म कनिका निष्ठिग्राम  
होता जाति आहे,

स्वृत ब्रह्म कनिका

- (i) जानाचारू व्यूत ब्रह्म कनिका
- (ii) जानाचारू व्यूत ब्रह्म कनिका

५) जानाचारू व्यूत ब्रह्म कनिका निष्ठिग्राम :-

(i) निष्ठिग्रामिणः-

स्वृत ब्रह्म कनिका रेतीव लाल अथवा जग्नी  
निष्ठिग्रामिण द्वारा अर्चित, अर्द्धवर्ष निष्ठिग्राम २-३ फुट  
चक्र शूल, अर्द्धवर्ष द्वारा अर्द्धवर्ष १०-१५ दिन वार्षा।

लाल :- स्वृत ब्रह्म कनिका निष्ठिग्राम द्वारा जग्नी  
शूल वार्षा द्वारा अर्द्धवर्ष काढा,

(ii) देवमित्राशिळः-

देवाचे व्यूत ब्रह्म कनिका १.५२.५८ निष्ठिग्रामिण  
अर्द्धवर्ष निष्ठिग्राम २-३ फुट अप्रत्यक्ष, अर्द्धवर्ष निष्ठिग्राम  
चक्र विवरण अर्द्धवर्ष द्वारा अर्द्धवर्ष ३-५ दिन,

त्रिलोकी अतिरिक्त वार्षा अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष काढा

(iii) देवमोशिणः-

स्वृत कनिका अर्द्धवर्ष अलाल प्रिमान द्वारा  
निष्ठिग्राम ३२० ०.५% अर्द्धवर्ष निष्ठिग्राम अर्द्धवर्ष अलाल  
स्वृत कनिका अर्द्धवर्ष, अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष १२-१५ दिन,

देवमोशिण, देवमोशिण अर्द्धवर्ष वार्षा अर्द्धवर्ष

६) जानाचिह्नीन व्यूत ब्रह्म कनिका :-

(i) निष्ठिग्रामाद्युतः-

देवाचे व्यूत ब्रह्म कनिका अथवा २१% निष्ठिग्राम  
शूल अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष २८-२९ दिन अर्द्धवर्ष  
त्रिविनवकाल २-३ दिन,

अर्द्धवर्ष, अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष, अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष

अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष अर्द्धवर्ष,

(ii) अर्द्धामाद्युतः:-

देवाचे व्यूत ब्रह्म कनिका अथवा १%  
अर्द्धामाद्युत, अर्द्धवर्ष निष्ठिग्राम अर्द्धवर्ष मध्ये

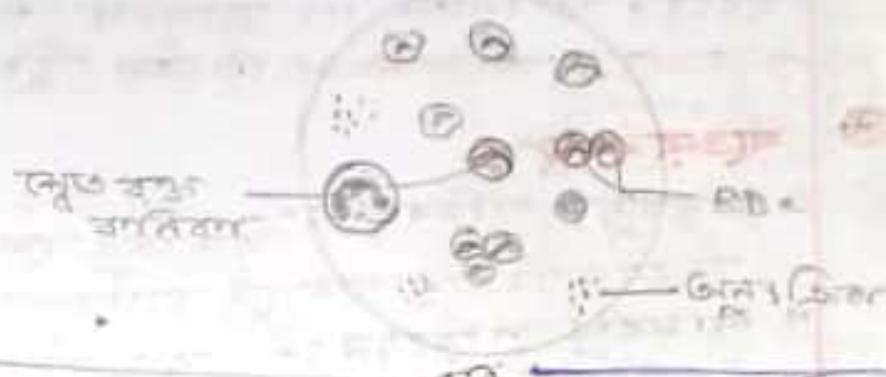
ଦ୍ୱାରା କରିଲୁ.

ଏହାର ପରିମାଣ ୩୦-୪୫ ମୀଟର, ଅତିକର୍ତ୍ତା ବନ୍ଦର  
ପରିମାଣ ଏହାର ପରିମାଣରେ ଅଧିକ ହୈବାକୁ ପରିମାଣ କରିବାକୁ  
ଅନୁରୋଧ କରିବାକୁ ପରିମାଣ କରିବାକୁ ପରିମାଣ କରିବାକୁ

### ଅନୁରୋଧ କରିବା:

ଏହାର ପରିମାଣ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ  
କାଳୀର ମାତ୍ରା, ଏହାର ଅବଶ୍ୟକ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ କାଳୀର  
ହାର୍ଯ୍ୟ ଗର୍ଭିତ, ଏହାର ସୀଏନବାଲ୍ ଉପରେ ଅଭିଯନ୍ତିରି  
ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ବ୍ୟାଜ ଅନୁରୋଧ କରିବାକୁ ମାତ୍ର ଖୁବ୍ ୨.୫ ଲାଙ୍ଘ ପରିମାଣ  
୫.୦ ଲାଙ୍ଘ

ବ୍ୟାଜ ଅନୁରୋଧ କରିବାକୁ



⑥ Describe the structure of human heart / And the circulation of blood through heart.

Human Heart जनन का दरवाजा है।

→ जनन का दरवाजा है। आँखें तक वायाएँ, नुस्खे और अंदर से आये रहते हैं। इनमें बड़े दरवाजे लोगों ने बड़ी जटिलता से बाहर आये हैं। जब वाया बाहर आया तो उसका गति- वाया अप्रभावी है। इनमें बड़े दरवाजे लोगों ने बड़ी जटिलता से बाहर आया है। इनमें बड़े दरवाजे लोगों ने बड़ी जटिलता से बाहर आया है। इनमें बड़े दरवाजे लोगों ने बड़ी जटिलता से बाहर आया है। इनमें बड़े दरवाजे लोगों ने बड़ी जटिलता से बाहर आया है।

### Locality

जनन का दरवाजा है। इनमें बड़े दरवाजे लोगों ने बड़ी जटिलता से बाहर आया है। जबकि बड़े दरवाजे लोगों ने बड़ी जटिलता से बाहर आया है। इनमें बड़े दरवाजे लोगों ने बड़ी जटिलता से बाहर आया है।

### Kidney का नियन्त्रण :-

जनन का दरवाजा है।

- प्रतिशोधिकाम
- माध्यायिकाम
- सान्ताकाम

प्रतिशोधिकाम जनन का दरवाजा है। इसके दरवाजे को बढ़ाना जनन का दरवाजा है।

### माध्यायिकाम :-

जनन का दरवाजा है। इसके दरवाजे को बढ़ाना जनन का दरवाजा है।

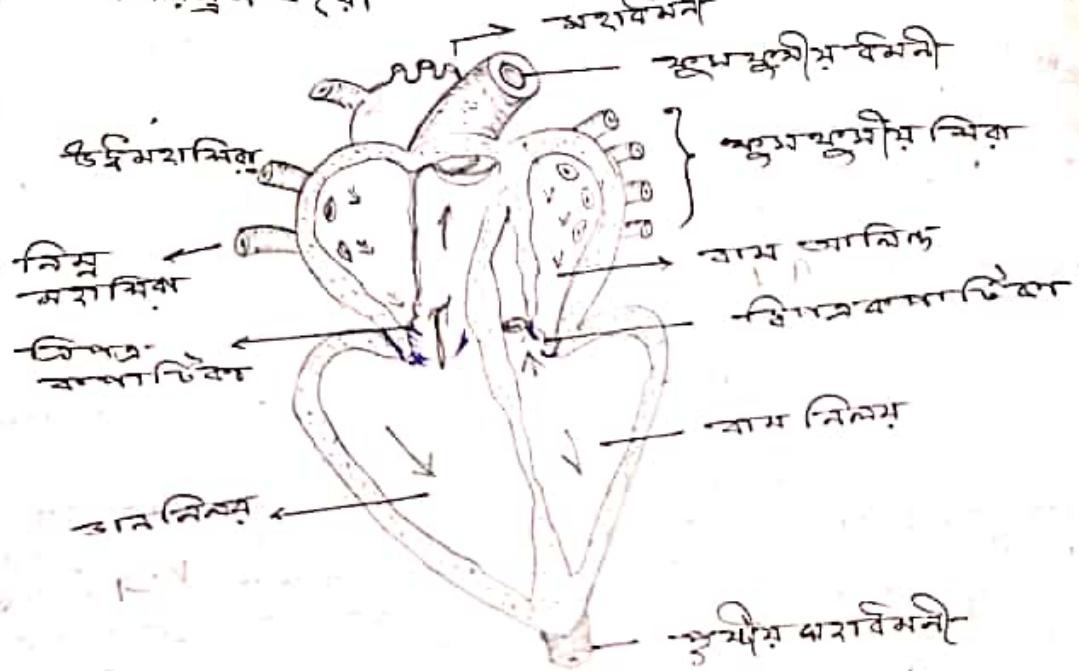
### सान्ताकाम :-

जनन का दरवाजा है। इसके दरवाजे को बढ़ाना जनन का दरवाजा है। इसके दरवाजे को बढ़ाना जनन का दरवाजा है। इसके दरवाजे को बढ़ाना जनन का दरवाजा है।

### Kidney का नियन्त्रण :-

जनन का दरवाजा है। इसके दरवाजे को बढ़ाना जनन का दरवाजा है। इसके दरवाजे को बढ़ाना जनन का दरवाजा है।

निलम्ब वर्णन। अविकृति अलिंग वर्गमें अपौरुष द्वारा  
जातीयांश्चाद्य, जाति आदि; अलिंग अपौरुष वर्ग  
वर्षकृत्याद्य त्रिपुरे निलम्ब भावक वर्गमें अपौरुष  
जातीय, जाति अलिंग निलम्ब क्षेत्रिक विवरणका  
प्रत्यक्ष एवं विश्व वर्गमें वर्गमें वर्गमें जातीय  
विवरण वर्गमें वर्गमें। अलुभिर्य वाम अलिंग  
उ-निलम्ब वर्गमें विवरणका विवरणका वर्गमें  
वाम विवरणका वर्गमें विवरणका वर्गमें, पर्युक्तिवार्गमें  
अविकृत वर्गमें निलम्ब विवरणका वर्गमें विवरणका  
निम्नलिखित वर्गमें।



### हालिंग वर्गमें कामाटिका अभ्युक्तः-

हालिंग अविकृत वर्गमें कामाटिका वर्गमें वर्गमें  
वृक्ष-जातीयाद्य त्रिपुरे निलम्ब विवरणका वर्गमें। अलुभिर्य

#### i) द्विप्रवाक्याटिका:-

सूखे अविकृत, वाम अलिंग उ-निलम्ब वर्गमें  
निलम्ब अविकृत वर्गमें विवरणका वर्गमें विवरणका वर्गमें  
वृक्ष-जातीय अलिंग विवरणका वर्गमें।

#### ii) अप्रवाक्याटिका:-

सूखे अविकृत, उ-विवरणका वर्गमें विवरणका वर्गमें  
अविकृत वर्गमें विवरणका वर्गमें विवरणका वर्गमें  
अलिंग-विकृत वर्गमें।

#### iii) अविकृत वर्गमें वर्गमें:-

सूखे अविकृत, उ-विवरणका वर्गमें विवरणका वर्गमें  
सूखे अविकृत विवरणका वर्गमें विवरणका वर्गमें विवरणका  
वर्गमें विवरणका वर्गमें। अलुभिर्य अविकृत विवरणका



कामाक्षिका वार्ता - कामाक्षिका वार्ता - कामाक्षिका वार्ता - कामाक्षिका वार्ता -

१७) देवता भूमि भान ब्रह्मनि इतः-

ମିଶ୍ରମହାଚିତ୍ର ଓ ଡାକ ପାନିକୁଡ଼ି  
ମିଶ୍ରଚିତ୍ର ରୂପରେ ଦୃଶ୍ୟ ଡାକ ପାନିକୁଡ଼ି

କଟପିଲ୍ଲର ମାତ୍ର ସ୍ଵର୍ଗ ଦିନିନ୍ଦା ବ୍ୟକ୍ତିତ୍ୱାଁ :-

१ शुद्धमरामिदा-

ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା ମଧ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ ଉପରେ ଦେଖିଲୁଛନ୍ତି ଏହାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା ମଧ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ ଉପରେ ଦେଖିଲୁଛନ୍ତି ଏହାରେ

१४ निष्ठुभद्रामित्रा-

ତିମ୍ବୁଷାରୀ-କୁଣ୍ଡଳ ଅନିଲଙ୍କ ନି ଏହା ଚିରାଗ ଅତ୍ୟାରୋଧ  
ତିମ୍ବୁଷାରୀ-କୁଣ୍ଡଳ ଅନିଲଙ୍କ ନି ଏହା ଚିରାଗ ଅତ୍ୟାରୋଧ  
ତିମ୍ବୁଷାରୀ-କୁଣ୍ଡଳ ଅନିଲଙ୍କ ନି ଏହା ଚିରାଗ ଅତ୍ୟାରୋଧ

॥ वर्षानमी च रूपाः -

कुप्तमित्रवृत्तीयां वर्यम् ॥ तदा  
नालभावी दीपि-

३०) नालामान द्वे यज्ञनीः-

— निष्ठा-विश्वास-वात-निष्ठा-प्रदाता च भवते रुद्राणि-  
भृत्युः ज्ञानात्मक वात निष्ठा-प्रदाता,  
सर्वात्मानीः ॥

(\*) ମାନ୍ୟମାନ୍ୟାଙ୍କ ଅଧିକାରୀ

ପାତାମାନୀ ବିଦ୍ୟା-କ୍ଷମିତ୍ରେ କାମ-ଆଶିଲ୍ପର ରୂପରେ ପାଇଁ ଚାଲିଛି  
ତଥା ପାତାମାନୀ ବିଦ୍ୟା ୦୨ ଅତିକ୍ରମିତ ହୁଏଥିବାରେ ପାଇଁ ଚାମାଚାରୀ  
କାମ-ଆଶିଲ୍ପରେ ନିର୍ମିତ ଆମ୍ବାମାନୀ ବିଦ୍ୟା ।

(१) मराविभवः-

ମରା ମନ୍ତ୍ର :- ୩.୫ ମିନ୍‌ଟ୍‌ରେ କ୍ୟାଲିସ୍ମ୍ ୦<sub>2</sub> ପ୍ରତିମାତ୍ରାନ୍ତରେ ମରାଠିରେ

“**आकृत वीक्षिति**—

मार्गदर्शित नीर कुलांडेय रामरेणु लक्ष्मण  
वृक्षनाडि-किसी उत्तरांश राजी (१०२) वृक्ष-द्रव्य  
अस्त्रद्वय अस्त्र।

कृत्तिमा मा  
the heart?

+ ଜାନ୍ମାତ୍ରେ ୧୯୫୩ ମେସରେ ୧୦୨ ମତା କୁଟୀ ପିତାମହାଚିହ୍ନରୁ ଲିଖିଥାଏ  
ଯିବାରେ ମାତ୍ରିମ ଆନ୍ଦିଶ୍ଵର ମୁଦ୍ରାରୁ, ଅହାମାତ୍ରେ କିମ୍ବା  
କିମ୍ବା ଅନିଶ୍ଵର ଲିଙ୍ଗ ପ୍ରିଣ୍ଟର ମାତ୍ରି-ଚିତ୍ର ଅଣାଇଛି  
କିମ୍ବା ଆନ୍ଦିଶ୍ଵର ଲିଙ୍ଗ ମୁଦ୍ରାରୁ, ଆନ୍ଦିଶ୍ଵର ମୁଦ୍ରାରୁ  
ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା  
ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵାରା

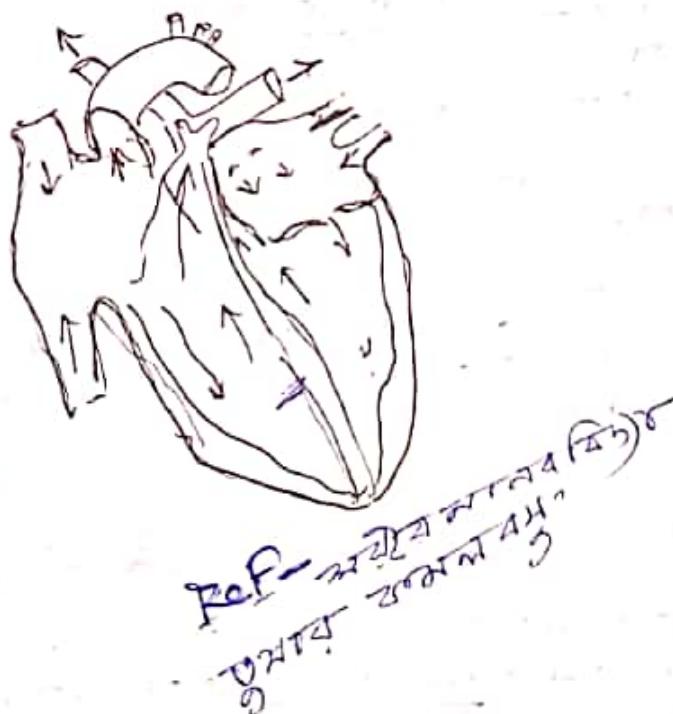
५  
६  
७

नियमानुसार से उत्तरांश के अंदर वाली वायरलोगिक वायरेस जो इन्हीं के द्वारा उत्पन्न होती हैं वे अप्रत्यक्ष वायरेस कहलाती हैं। वायरेस के द्वारा उत्पन्न होने वाली वायरलोगिक वायरेस जो इन्हीं के बाहर आवाहन लेती हैं वे अप्रत्यक्ष वायरेस कहलाती हैं। अप्रत्यक्ष वायरेस में वायरेस के द्वारा उत्पन्न होने वाली वायरलोगिक वायरेस जो इन्हीं के बाहर आवाहन लेती हैं वे अप्रत्यक्ष वायरेस कहलाती हैं।

### कानप्रियक वायरेस:-

कानप्रियक वायरेस ने वायरेस के द्वारा उत्पन्न होने वाली वायरलोगिक वायरेस को अप्रत्यक्ष वायरेस कहा है। अप्रत्यक्ष वायरेस के द्वारा उत्पन्न होने वाली वायरलोगिक वायरेस को कानप्रियक वायरेस कहा जाता है।

कानप्रियक वायरेस ने वायरेस के द्वारा उत्पन्न होने वाली वायरलोगिक वायरेस को कानप्रियक वायरेस कहा है। अप्रत्यक्ष वायरेस के द्वारा उत्पन्न होने वाली वायरलोगिक वायरेस को कानप्रियक वायरेस कहा है।



Superior cava → Right Atrium → R. Ventricle → P. Anterior → Lung → P. Veins → Left Ventricle → Aorta → Capillaries  
 Right Atrium → R. Ventricle → P. Anterior → Lung → P. Veins → Left Ventricle → Aorta → Capillaries